राजीविका

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्

आत्मनिर्भर और सशक्त बने हर परिवार

किचन गार्डन

एनआरएलएम के आजीविका कार्यक्रम के तहत वर्ष 2019–20 में राजस्थान के 17 जिलों में 75,000 हाउसहोल्ड्स के लिए किचन गार्डन बनाने की योजना का आरंभ हुआ।

किचन गार्डन का मुख्य उद्देश्य है कि हर एसएचजी परिवार को प्रतिदिन मौसमी ताजे फल और हरी सब्जियों उपलब्ध हों। NRLM & AAP आजीविका के अंतर्गत हर एसएचजी परिवार को किचन गार्डन बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है साथ ही इसके तहत आने वाले सभी लाभार्थियों को सब्जियों और फलों के पौधों के बीज उपलब्ध कराए जा रहें हैं।

इस साल 25,999 घरों में किचन गार्डन बनाया गया है और NRLM & AAP के तहत अब तक 11,829 घरों में न्यूनतम 5 फलों के पौधों लगाए गए हैं। MKSP & AAP के तहत 32,883 घरों में किचन गार्डन और फलों के पौधे लगाए गए हैं।

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्

एनआरईटीपी मिशन क्रियान्वयन में सहायता हेतु किया राजस्थान का दौरा

NRETP मिशन क्रियान्वयन में सहायता हेतु 19 और 20 नवंबर 2019 को राजस्थान दौरे का आयोजन किया गया। प्रस्तावित ISM टीम में ग्रामीण विकास मंत्रालय और विश्व बैंक के प्रतिनिधि शामिल थे, जिनका नेतृत्व श्रीमती लीना जौहरी, संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किया। टीम ने 19 नवंबर 2019 को चूरू जिले के चूरू और रतनगढ़ ब्लॉक का दौरा किया। इस दौरान संयुक्त सचिव (RL) के साथ परियोजना निदेशक और एसपीएम (M & E) भी मौजूद रहे। 20 नवंबर को होटल रॉयल ऑर्किड में क्रियान्वयन सहायता मिशन ने एसपीएमयू टीम के साथ चर्चा की जिसमें NRETP के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की गई।

एफएमडी टीकाकरण

ग्रामीण परिवारों को पशुओं के टीकाकरण की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 4 सितंबर, 2019 को एफएमडी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की। राजीविका ने इस अभियान में पशुपालन विभाग के साथ कन्वर्जेन्स किया जिससे एसएचजी परिवार लाभान्वित हो सकें। इस अभियान में NRLM & AAP ब्लॉक के तहत 50775 हाउसहोल्ड्स के 137280 पशुओं का और MKSP & AAP ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले 38461 हाउसहोल्ड्स के 100404 पशुओं का एफएमडी टीकाकरण किया गया।

बीज वितरण

कृषि उत्पादन में सुधार और इसकी लागत में कमी के उद्देश्य से ग्रामीण परिवारों को प्रमाणित बीज का उपयोग और बीज प्रतिस्थापन करने के विषय में जानकारी दी जाती है। आवश्यकता के अनुरूप प्रमाणित बीज की पूर्ति के लिए जिला और ब्लॉक के कर्मचारियों ने कृषि विभाग के सहयोग से विभिन्न फसलों के बीज एसएचजी परिवारों को उपलब्ध कराए हैं। नवंबर माह के दौरान NRLM & AAP के 3937 हाउसहोल्ड्स और MKSP & AAP के 5860 हाउसहोल्ड्स कन्वर्जेन्स से किए गए बीज वितरण के साथ लाभान्वित हुए हैं। सभी हाउसहोल्ड्स को सरसों व गेहूं आदि के बीज वितरित किए गए हैं।

राज्य स्तरीय कार्यशाला

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय व राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) एवं राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) द्वारा खाद्य, पोषण,स्वास्थ्य एवं पानी व स्वच्छता विषय पर तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 26 से 28 नवंबर तक राष्ट्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान में किया गया।

यह कार्यशाला श्री राजेश्वर सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें राष्ट्रीय ग्रामीण एवं पंचायती राज विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आरोग्य विभाग एवं सामाजिक कल्याण विभाग के समन्वित प्रयास के द्वारा मातृ एवं शिशु आरोग्य के साथ सामाजिक एवं बौद्धिक पौष्टिकता पर काम कर सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव लाने पर जोर दिया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न विभागों में संयुक्त प्रयासों के द्वारा मातृ एवं शिशु कुपोषण की वर्तमान स्थिति में राजीविका द्वारा गठित स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रभावी बदलाव लाना है।

कार्यशाला में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् के परियोजना निदेशक श्री राजेन्द्र विजय एवं राज्य परियोजना प्रबंधक सुश्री मोना दवे के साथ राजस्थान के अन्य जिलों के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका विकास के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में यूनिसेफ, अलाइव एंड थ्राईव, इंडिया न्यूट्रीशन इनिशिएटिव, सेंटर फॉर माइक्रो फाइनेंस (टाटा ट्रस्ट), संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सम्बंधित विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए अपने अनुभवों को सभी संभागियों के समक्ष रखा। कार्यशाला में बांरा एवं डूंगरपुर की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने उनके द्वारा छत्तीसगढ़, बिहार एवं झारखण्ड में राजीविका द्वारा आयोजित भ्रमण के दौरान खाद्य, पोषण, आरोग्य पर चल रहे समन्वित प्रयास के अपने अनुभव साझा किए।

उपलब्धियाँ

- क्रियान्वित हुए ब्लॉक्स की संख्या – 272
- क्रियान्वित हुए गाँवों संख्या– 18538
- एसएचजी का गठन –150228
- हाउसहोल्ड्स की संख्या – 1738050
- एसएचजी जिनके बैंक बचत खाते हैं – 117353
- एसएचजी जिन्होंने रिवॉल्विंग फंड्स काभ उठाया – 103902
- एसएचजी जिन्होंने सीआईएफ का लाभ उठाया – 72156
- एसएचजी जिन्होंने प्रथम बार सीआईएफ क्रेडिट लिंकेज का लाभ उठाया – 58230
- एसएचजी जिन्होंने दोबारा सीआईएफ क्रेडिट लिंकेज का लाभ उठाया – 22578
- क्रेडिट वॉल्यूम – 614.49 लाख
- वीओ की संख्या – 11300
- सीएलएफ की संख्या – 390
- कुल खर्च (NRLM)– 436.62 (लाख)

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्

आत्मनिर्भर और सशक्त बने हर परिवार